id other defects. It is too early to ate what position will be taken by ates—parties to the NPT, who will parti-pate in the review exercise.

Recovery of assessed amount from M/s. Hoechst

*39. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: "ill the PRIME MINISTER be pleased refer to the answer to unstarred ques-
m 1134 given in the Rajya Sabha on "5-1992 and state:

(a) when was the hearing given to ' T/s. Hoechst and whether this hearing is given after obtaining all the data as Erected by the Bombay High Court;

(b) what is the outcome of the hearing 'id when was it communicated to the ompany;

(c) whether it is a fact that the com pany has failed to give the complete data s per the order of the Bombay High ourt;

(d) if so, the details of action taken ' Hereon;

(e) what are the details of steps taken recover the amount assessed and whe-Her any amount has been recovered during the last three months; and

(f) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) to (f) In pursuance of the Bom-Hay High Court Order, a hearing was proposed to be given to M/s. Hoechst in the last week of March 1992. The company, However, submitted a detailed representa-
on dated 24th March, 1992. The Company has raised legal objections and is dopting the stand that necessary material Has already been given. The representa-tion of the Company has been examined ;nd the data submitted by the company has been found to be insufficient ind incomplete. The Company is being given one final opportunity to submit the data, failing which, Government would determine the tentative liability on the basis of whatever data is available and the company would be given a hearing, as required by the Bombay High Court Order, and a Speaking Order will be passed only thereafter.

नई औषधि नीति

*40. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री रणजीत सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार गत वर्ष से देश में नई औषधि नीति की घोषणा करने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो अभी तक सरकार द्वारा नई औषधि नीति की घोषणा न कर पाने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि किसी निर्धारित नीति के अभाव में इस अनिश्चित स्थिति का औषधि कंपनियों द्वारा लाभ उठाये जाने के कारण देश में, औषधियों के मूल्यों में तीव्र वृद्धि हो गयी है, यदि हां, तो मई, 1992 में, अप्रैल, 1991 की तुलना में, औषधियों के मूल्यों में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है; और

(घ) सरकार द्वारा उक्त औषधि नीति की घोषणा कब तक किये जाने की संभावना है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिंता मोहन) : (क), (ख) और (घ) विसंगतियों और अनियमितताओं के बारे में अनेक संसद सदस्यों से अभ्यावेदन प्राप्त होने पर सरकार द्वारा 1990-91 में औषध नीति, 1986 की समीक्षा शुरू की गई थी । इस बीच औद्योगिक नीति, एक्जिम नीति और राजकोषीय नीति में भी परिवर्तनों की घोषणा की गई थी । इन परिवर्तनों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए और विसंगतियों/अनियमितताओं को दूर करने के उद्देश्य से औषध नीति, 1986 में अपेक्षित संशोधन विचार की अग्रिम अवस्था में है और उनके शीघ्र ही घोषित किए जाने की संभावना है ।